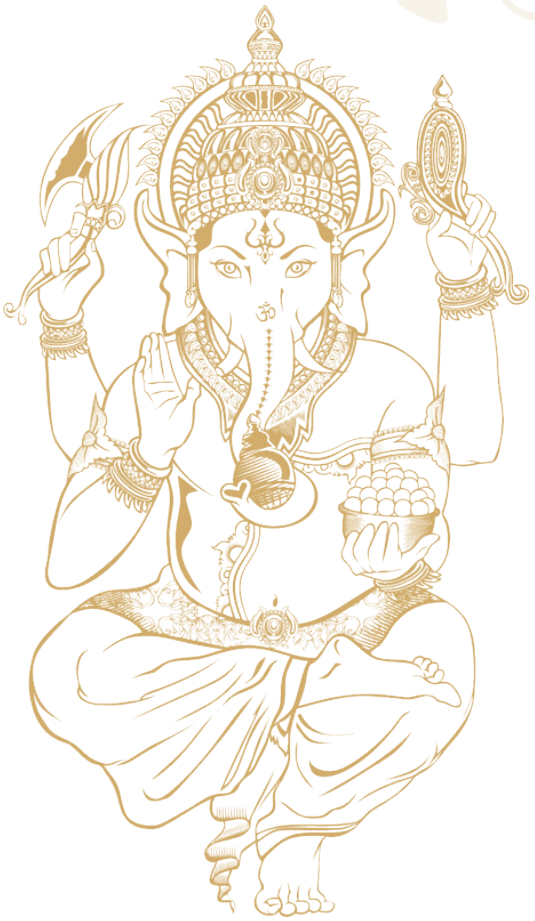

Sakshi

02 Mar 1998

03:45 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121111204

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**1-02/03/1998**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**03:45:00 घंटे**
इष्ट	52:25:11 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:23:52 घंटे
वेलान्तर	-00:12:26 घंटे
साम्पातिक काल	14:01:55 घंटे
सूर्योदय	06:46:55 घंटे
सूर्यास्त	18:20:34 घंटे
दिनमान	11:33:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	17:17:48 कुम्भ
लग्न के अंश	22:13:36 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शुक्ल
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चू-चुन्नी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	22:13:36	362:45:14	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
सूर्य			कुंभ	17:17:48	01:00:14	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	02:01:34	14:45:39	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल			मीन	04:02:01	00:46:37	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मित्र राशि
बुध		अ	कुंभ	23:57:40	01:55:01	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
गुरु		अ	कुंभ	12:16:55	00:14:26	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
शुक्र			मक	04:11:10	00:41:53	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	मित्र राशि
शनि			मीन	24:21:51	00:06:35	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
राहु			सिंह	16:42:16	00:00:06	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	16:42:16	00:00:06	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	16:41:06	00:03:08	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप			मक	07:16:50	00:01:51	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
प्लूटो			वृश्चि	14:12:30	00:00:19	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			तुला	08:51:09	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:48

लग्न-चलित

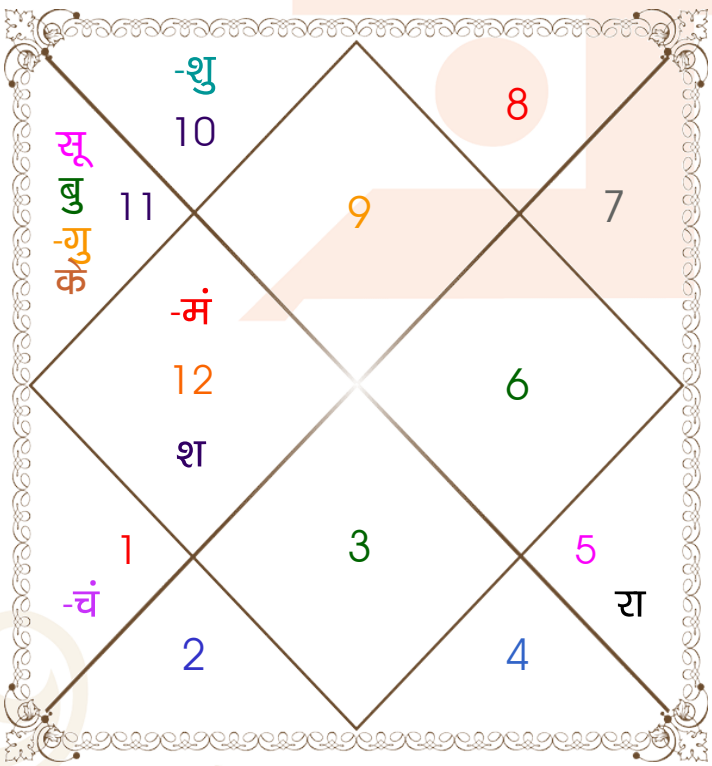

चन्द्र कुंडली

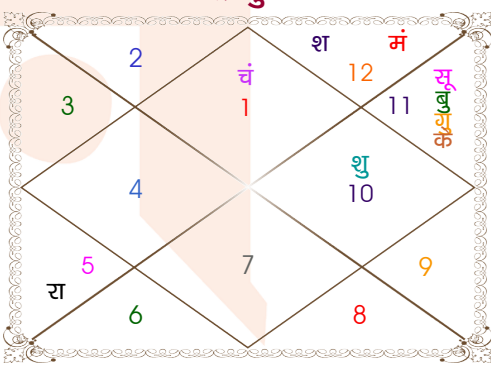

नवमांश कुंडली

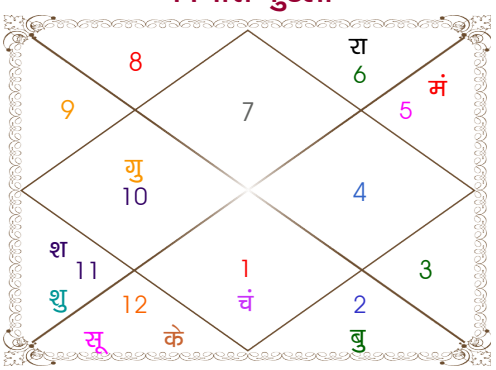

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 11 मास 7 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
02/03/1998		07/02/2004		07/02/2024		06/02/2030		07/02/2040	
07/02/2004		07/02/2024		06/02/2030		07/02/2040		07/02/2047	
	02/03/1998	शुक्र	08/06/2007	सूर्य	26/05/2024	चंद्र	08/12/2030	मंगल	05/07/2040
शुक्र	04/09/1998	सूर्य	08/06/2008	चंद्र	25/11/2024	मंगल	09/07/2031	राहु	24/07/2041
सूर्य	10/01/1999	चंद्र	06/02/2010	मंगल	02/04/2025	राहु	07/01/2033	गुरु	29/06/2042
चंद्र	11/08/1999	मंगल	09/04/2011	राहु	25/02/2026	गुरु	09/05/2034	शनि	08/08/2043
मंगल	07/01/2000	राहु	08/04/2014	गुरु	14/12/2026	शनि	08/12/2035	बुध	04/08/2044
राहु	25/01/2001	गुरु	07/12/2016	शनि	26/11/2027	बुध	08/05/2037	केतु	01/01/2045
गुरु	01/01/2002	शनि	07/02/2020	बुध	01/10/2028	केतु	08/12/2037	शुक्र	03/03/2046
शनि	10/02/2003	बुध	08/12/2022	केतु	06/02/2029	शुक्र	08/08/2039	सूर्य	09/07/2046
बुध	07/02/2004	केतु	07/02/2024	शुक्र	06/02/2030	सूर्य	07/02/2040	चंद्र	07/02/2047

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
07/02/2047		06/02/2065		06/02/2081		07/02/2100		07/02/2117	
06/02/2065		06/02/2081		07/02/2100		07/02/2117		00/00/0000	
राहु	20/10/2049	गुरु	27/03/2067	शनि	10/02/2084	बुध	07/07/2102	केतु	06/07/2117
गुरु	14/03/2052	शनि	08/10/2069	बुध	20/10/2086	केतु	04/07/2103	शुक्र	03/03/2118
शनि	19/01/2055	बुध	14/01/2072	केतु	29/11/2087	शुक्र	04/05/2106		00/00/0000
बुध	08/08/2057	केतु	19/12/2072	शुक्र	28/01/2091	सूर्य	10/03/2107		00/00/0000
केतु	26/08/2058	शुक्र	20/08/2075	सूर्य	10/01/2092	चंद्र	09/08/2108		00/00/0000
शुक्र	26/08/2061	सूर्य	08/06/2076	चंद्र	11/08/2093	मंगल	06/08/2109		00/00/0000
सूर्य	21/07/2062	चंद्र	08/10/2077	मंगल	20/09/2094	राहु	23/02/2112		00/00/0000
चंद्र	20/01/2064	मंगल	14/09/2078	राहु	27/07/2097	गुरु	31/05/2114		00/00/0000
मंगल	06/02/2065	राहु	06/02/2081	गुरु	07/02/2100	शनि	07/02/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 11 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र के तृतीय चरण में धनु लग्नोदय काल में हुआ था। आपके जन्म लग्न के उदय के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका यह जन्म लग्नादिक संयोजन आपके आदर्श जीवन की आधारशिला आनंदपूर्ण पराकाष्ठा का सृजन करता है, जो आपके जीवन के लिए सुखद एवं उन्नति कारक प्रतीत होता है। आप स्वाभाविक रूप से निष्कपट महिला है। परंतु जन सामान्य के मध्य "जैसे को तैसा" वाले सिद्धांत की अनुयायी हैं। आप विश्वसनीयता पूर्वक निश्चित जीवन व्यतीत करेंगी।

आप प्रायः सदैव ही अपने पक्ष की रूपरेखा तैयार करने में लगे रहती हैं। आप आकर्षक व्यक्तित्व एवं उत्तम स्वास्थ्य के संबंध में सौभाग्यशाली हैं। आप थोड़ी शिक्षा प्राप्त करके भी बैल की सींग जैसी पैनी कार्य क्षमता द्वारा अपनी सफलता हेतु कार्य संपादन करती रहेंगी। आपमें जन्मजात अंतर्ज्ञान एवं शक्ति विद्यमान है। आप अपनी कार्य योजना के कार्यान्वयन हेतु पूर्व ही सभी तथ्यों का अध्यापन कर हर दृष्टिकोण से तत्पर रहती हैं एवं अपनी कार्य योजना पूर्णरूपेन संपन्न करने में सक्षम हो जाती हैं।

आप किसी भी तरह दो प्रकार चाल की विशेषताओं से मुड़ने की प्रवृति रखती हो। पहली बात तो यह है कि आप जूआ के प्रलोभन में फंसकर संतुष्ट होना चाहती हो। परिणाम स्वरूप क्षति उठानी पड़ती है। दूसरी बात यह कि आप धारा प्रवाह बात चीत करती हो। इस कारण मानवीय स्वाभाविक विश्वसनीयता अन्य लोगों की दृष्टि में नष्ट हो जाती है। आप सदैव स्पष्ट रूप से किसी भी बात को जन सामान्य के मध्य प्रकट कर के अन्यों के द्वारा छेड़-खानी की शिकार बनती हो। आप सदैव अपनी पैनी तीक्ष्ण शाब्दिक उच्चारण करके अन्य लोगों की आत्मा पर चोट पहुंचाती हो। इस कारण आप जब कभी अपना मैत्री पूर्ण अधिकार जताना चाहती हो तो तुम्हारे मित्र इस बातों का बहिष्कार करते हैं।

आप वैदेशिक लोगों के प्रति आकर्षित रहती हो। आप सदैव उनसे परिचय एवं संपर्क बढ़ाना चाहती हो एवं उनको अपनी दृष्टि में उच्चतम बनाकर अपना लेना चाहती हो। यदि आप सर्तकता पूर्वक वार्तालाप कर सम्पर्क में ले आएं तो यह संभाव्य है कि आप वैदेशिक भ्रमण कार्य पूरा कर सकती हैं।

आप निःसंदेह एक सुंदर भवन की स्वामी होंगे तथा अपनी प्यारी पत्नी एवं व्यवहार कुशल संतान से सुखी रह सकती हैं। परंतु आपमें बाहर भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है क्योंकि आप खेल-कूद तथा भ्रमण कार्य में व्यस्त रहकर घर से बाहर रहती हैं। अस्तु आप घर-गृहस्थी के लिए सक्षम नहीं हैं।

आपके लिए कार्य व्यवसायों में अनुकूल एवं शानदार कार्य, कंपनी लॉ, वैदेशिक लोगों के साथ व्यापार संबंध स्थापित करना, शैक्षणिक कार्य, राजनीति कार्य एवं शैक्षणिक संबंधी कार्य एवं धार्मिक संस्थान के कार्य उत्तम हैं।

यदि आप निम्नांकित निर्देशों को ध्यान में रखकर कार्यों का प्रस्तुतीकरण करें तो

बिना किसी भी व्यवधान के सफल हो जाओगी।

आपके लिए अंको में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा अनुकरणीय है। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।

आपके लिए लाल, मोतिया एवं काले रंग को छोड़ कर शेष सफेद, क्रीम रंग, सूआपंखी रंग, नीला, हरा एवं नारंगी शुभ एवं अनुकूल हैं।